(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई जांच कराई है, यदि हां, तो इसके परिणाम क्या निकले और चोरी में कितने व्यक्ति लिप्त थे, उन्हें क्या-क्या सजा दी गई और उनसे कितना सामान बरामद किया गया; और

(घ) भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सरकार क्या ठोस कदम उठाएगी?

रेल मंत्री (श्री सी० जे० जाफ़र शरीफ़): (क) जी नहीं, भारतीय रेलों पर बुक किए गए परेषणों की चोरी के मामलों में गिरावट आई है। 1994-95 में इन मामलों की संख्या (10053) में 1993-94 (12,802) के मुकाबले 21.47% और 1992-93 (16,555) के मुकाबले 39.27% कमी आई है।

(ख) वर्ष 1994-95 में भारतीय रेलों पर 6.85 करोड़ रु० की बुक की गई सम्पत्ति और 9.29 लाख रु० का कोयला चोरी हुआ था।

(ग) सामान और कोयले की चोरी के सभी मामलों की जांच की गई थी। भारतीय रेलों पर वर्ष 1994-95 के दौरान 1.85 करोड़ की चोरी हो गई बुक की गई संपति और 5.61 लाख रु० का कोयला गिरफ्तार किए गए क्रमशः 1399 और 283 व्यक्तियों से बरामद किया गया था। इससे 1994-95 में बरामद किए गए बुक हुए सामान (कोयले सहित) की बरामदगी में 1993-94 के मुकाबले 16.85% तथा 1992-93 के मुकाबले 15.53% का सुधार दिखाई पड़ता है। सभी गिरफ्तार व्यक्तियों पर मुकदमा चलाया गया।

(घ) ऐसी चोरियों को रोकने के लिए निम्नलिखित निरोधक उपाए किए जा रहे हैं:—

1. जहां तक संभव हो, कोयले सहित मूल्यवान और महत्वपूर्ण परेषण ले जाने वाली गाड़ियों का मार्ग रक्षण।
2. यार्डों और अन्य भेघ स्थलों/खण्डों में गहन क्षेत्रीय गश्त लगाना।
3. चोरी आदि की आंशका वाले पारेषण ले जाने वाले माल-डिब्बों/सीलों की अवस्था का जायजा लेने के लिए अंतरबदल स्थानों पर संयुक्त जांच।
4. जहां तक संभव होता है, भेघ खण्डों में रेल सुरक्षा बल की सशस्त्र टुकड़ियों की नियुक्ति/तैनाती की जाती है।
5. अपराधियों की धर-पकड़ के लिए अपराध आसूचना एकत्र करने हेतु सादे कपड़ों में रेल सुरक्षा बल के कार्मिकों की तैनाती की जाती है।
6. भेघ यार्डों और क्षेत्रों में उपलब्धता के अनुसार श्वान दल भी गश्त के लिए तैनात किए जाते हैं।
7. अपराधियों और चोरी की गई संपत्ति प्राप्त करने वाले व्यक्तियों से निपटने के लिए रेल सुरक्षा बल, राजकीय रेल पुलिस और स्थानीय पुलिस में निकट सामंजस्य बनाए रखा जाता है।
8. अपराध आसूचना के आधार पर, अपराधियों/चोरी की गई संपत्ति प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को पकड़ने के लिए उनके ठिकानों पर छापे मारे जाते हैं और तलाशियां ली जाती हैं।

Restoration of Seniority of Loco Inspectors

1059. SHRIMATI MALTI SHARMA:
SHRI RAJ NATH SINGH:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have received any representations from some Senior, Loco Inspectors, who have been retired on 31st October, 1994, of the Central Railway posted at New Delhi to the effect that their pay be stepped upto their juniors;

(b) whether any letter was written by DRM's office Jhansi regarding restoration of seniority of some Loco Inspectors by giving them promotions w.e.f. 1992 since their juniors were promoted;

(c) if so, the what action has been taken in this regard;

(d) if no action has been taken, the reasons therefor; and

(e) by when their seniority will be restored and the arrears paid?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C.K. JAFFER SHARIEF): (a) No, Sir. However, one representation

was received regarding delay in promotion.

(b) No, Sir. DRM/Jhansi had written to Headquarters Office for restoration of seniority of one Shri B.R. Kapoor only.

(c) and (e) Shri Kapoor has been assigned seniority and given the settlement dues on the basis of his adhoc promotion to grade Rs. 2375-3500 which has since been regularised. Necessary action is also being taken to give him proforma fixation from the date on which his junior was promoted and his pension and retiral dues will be revised accordingly.

Waiting List of Telephone Connections in Maharashtra

1060. SHRI GOVINDRAO ADIK: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state: (a) the number of persons who are in the waiting list for telephone connections in major cities of Maharashtra as on March 31, 1995;

(b) the date upto which the telephone connections have been cleared;

(c) the target date by when the remaining applications will be cleared for providing telephone connections; and

(d) the details of measures Government propose to adopt for clearing of the backlog?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) and (b) Number of persons in the waiting list for telephone connections in major cities of Maharashtra as on March 31, 1995 and the date upto which telephone connections have been cleared are given in the Statement (See below).

(c) and (d) During 1995-96 it is proposed to provide 437900 new telephone connections in Maharashtra including MTNL Bombay. National Telecom Policy 1994, however, envisages provision of telephone connections on demand by 1997 all over the country including Maharashtra and MTNL Bombay.

Statement

Waiting List as on 31.3.1995 for Telephone Connections in Major Cities of Maharashtra and Date of Clearance

S. No.	Name of Cities	Waiting List as on 31.3.1995	Date of Clearance
1.	Jalgaon	4004	2.6.87
2.	Raigad	3035	30.3.95
3.	Sangli	7364	7.1.89
4.	Satara	4721	3.12.94
5.	Solapur	9332	31.12.93
6.	Nasik	15592	24.1.85
7.	Ahmednagar	5472	7.8.87
8.	Aurangabad	7868	17.4.90
9.	Nanded	1251	31.12.92
10.	Kolhapur	21381	30.8.94
11.	Nagpur	20751	2.6.88
12.	Pune	37490	5.2.91
13.	Kalyan	34833	31.3.91
14.	Bombay	50039	30.6.92

पर्यावरण और वनों के विकास हेतु कार्यक्रम की रूपरेखा बनाना

1061. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पर्यावरण और वन विकास हेतु विभिन्न राज्यों के लिए केन्द्र द्वारा कोई विशेष कार्यक्रम निर्धारित किया गया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और किन-किन राज्यों ने उसके तहत कार्य किए हैं;

(ग) क्या केन्द्र सरकार की ओर से इसके लिए राज्यों को कोई विशेष आवंटन किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो उसका विवरण क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) जी, हां।

(ख) से (घ) पर्यावरण और वन मंत्रालय पर्यावरण और वनों के विकास के लिए अनेक केन्द्रीय प्रायोजित